क्षमता निर्माण कार्यक्रम

प्रिय अभिभावकगण,

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्हीं में से हिंदी विषय के लिए मुझे इस कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। यह कार्यक्रम अलकनंदा स्थित कालका पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया। दिल्ली , फ़रीदाबाद और गुरूग्राम के विद्यालयों की लगभग **50** हिंदी अध्यापिकाओं ने इस कार्यक्रम से लाभ उठाया। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के द्वारा दो महिला संसाधकों द्वारा इस कार्यक्रम का संचालन किया गया , जिनमें से एक सरदार पटेल विद्यालय की हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ0 अनुराधा तथा दूसरी दिल्ली पब्लिक स्कूल की सेवानिवृत्त हिंदी विभागाध्यक्षा श्रीमती कौमुदी शर्मा थीं। दोनों ही संसाधक अपने विषय में महारथ हासिल किए हुए हैं।

कार्यक्रम का प्रारंभ एक गतिविधि से किया गया। जिसके माध्यम से सभी उपस्थित अध्यापक-अध्यापिकाओं को चार-चार के समूह में बॉट दिया गया। समूह में हमें कई गतिविधियाँ करवाई गई , जिनकी प्रस्तुति हमने सबके समक्ष की। ये सभी गतिविधियाँ हिंदी में प्रयोग होने वाली विभिन्न विधाओं पर आधारित थीं। इन गतिविधियों के द्वारा हमें छात्रों की मानसिकता को जानने का भी मौका मिला।

कार्यक्रम के अंतर्गत सबसे पहले **2001** और **2005** के पाठ्यक्रम रूपरेखा में बदलाव पर चर्चा की गई। ब्लूम सिद्धांत पर भी रोशनी डाली गई। पाठ-योजना का निर्माण करते समय किन-किन बिंदुओं का ध्यान रखना चाहिए इन पर चर्चा की गई। अभ्यास के लिए सभी समूहों को विभिन्न विधाओं पर पाठ योजना तैयार करने के लिए दी गई। पाठ-योजनाओं को सबके समक्ष प्रस्तुत किया गया तथा उनकी कमियों को उजागर करके उनका सही रूप बताया गया।

दोनों ही संसाधकों ने विभिन्न कौशल के आकलन के मुख्य बिंदुओं की जानकारी दी। उनके अभ्यास के विभिन्न सोपानों के विषय में चर्चा की गई। कार्यक्रम में परीक्षा पत्र के विभिन्न पहलुओं तथा छात्रों के उत्तरों को किस प्रकार जॉचा जाना चाहिए इन सभी विषयों पर भी चर्चा की गई। अध्यापिकाओं की शंकाओं का समाधान दोनों ही संसाधकों ने बड़ी ही सरलता एवं सहजता से किया। सभी अध्यापिकाएँ कार्यक्रम से संतुष्ट नज़र आईं। कार्यक्रम के अंत में सभी अध्यापिकाओं को सहभागिता प्रमाण - पत्र से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान सभी अध्यापिकाएँ एक दूसरे से इतने घुलमिल गए कि कार्यक्रम के अंत में सभी भावुक हो गए।

इस श्रेष्ठ कार्यक्रम का हिस्सा बनकर सेंट मैरीज़ विद्यालय की अध्यापिका होने का गर्व महसूस हुआ क्योंकि कार्यक्रम में विषय पर आधारित जो भी गतिविधियॉं बताईं गईं वे सभी गतिविधियॉं हम पहले ही अपने छात्रों के साथ करते हैं। पाठ योजना में पाठ प्रारंभ करने से पूर्व उचित वातावरण का निर्माण तथा पाठ का समापन जिस प्रकार से हम करते

हैं उसी का वहाँ उल्लेख किया गया। प्रश्न पत्र निर्माण और उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच का तरीका काफ़ी कुछ मिलता-जुलता था। इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मैं अपने सभी उच्च पदासीन महानुभावों का आभार प्रकट करती हूँ।

आभारी

अर्चना कुलश्रेष्ठ